

म. सं. १७७७

13

[illegible]

11

525

卷之五

[illegible]

526 གཤམ་འཇམ་རྫོང་པ་ཀའམ་ཐུ་ཤོེ།

四
五
六
七

[illegible]

सुप्रसन्नमस्तु॥

[illegible]

संज्ञाप्रकरणम्

[illegible]

[illegible]

इति अत्रान्तर्गतम् ।

[illegible]

[illegible]

इति श्रीमद्भगवद्गीतायाः अष्टादशोऽध्यायः

[illegible]

